No. of Printed Pages : 6

MHI–03

MASTER OF ARTS (HISTORY)

(MAH)

Term-End Examination

December, 2024

MHI-03 : HISTORIOGRAPHY

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer any* ***five*** *questions in about* ***500*** *words each. Attempt at least* ***two*** *questions from each Section. All questions carry equal marks.*

Section—I

1. Discuss the significance of generalisation in history writing. 20

2. Write a note on the objectives of history writing in the Greek and Roman traditions. 20

3. Analyse the distinctive features of traditional Chinese historiography. 20

4. Analyse the main features of western medieval historiography. 20

5. Write a note on the oral history and its difference from the written tradition. 20

Section—II

6. Examine the main characteristics of the colonial historiography with special reference to three historians associated with this trend. 20

7. Examine the importance of Subaltern studies in revising our understanding of Indian Nationalism. 20

8. Analyze the influence of the Marxist approach on the historiography of Indian nationalism. 20

9. Write a note on the post-modernist views of history. 20

10. Write short notes on any *two* of the following in about **250** words each : 10+10

    (a) Micro-history

    (b) Prashasti and Charitas

    (c) Indo-Persian historiography

    (d) History of environment in India

MHI–03

कला परास्नातक (इतिहास)

(एम. ए. एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.एच.आई.-03 : इतिहास-लेखन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर लगभग* ***500*** *शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग में से कम-से-कम* ***दो*** *प्रश्न करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

भाग—I

1. इतिहास लेखन में सामान्यीकरण के महत्त्व पर चर्चा कीजिए। 20

2. यूनानी एवं रोमन परंपराओं में इतिहास लेखन के उद्देश्यों पर एक लेख लिखिए। 20

3. पारंपरिक चीनी इतिहास-लेखन की विलक्षण विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए। 20

4. पश्चिमी मध्यकालीन इतिहास-लेखन की मुख्य विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए। 20

5. मौखिक इतिहास तथा लिखित परंपराओं से इसके अंतर पर एक लेख लिखिए। 20

भाग—II

6. औपनिवेशिक इतिहास-लेखन की प्रमुख विशेषताओं का परीक्षण इस प्रवृत्ति से संबंधित तीन इतिहासकारों के विशेष संदर्भ में कीजिए। 20

7. भारतीय राष्ट्रवाद की हमारी समझ को संशोधित करने में सबाल्टर्न अध्ययनों के महत्त्व का परीक्षण कीजिए। 20

8. भारतीय राष्ट्रवाद के इतिहास-लेखन पर मार्क्सवादी दृष्टिकोण के प्रभाव का विश्लेषण कीजिए। 20

9. इतिहास के उत्तर–आधुनिकतावादी विचारों पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 10+10

(क) सूक्ष्म–इतिहास

(ख) प्रशस्ति एवं चरितों

(ग) इण्डो–पर्सियन इतिहास–लेखन

(घ) भारत में पर्यावरण के इतिहास

× × × × × × ×